सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 4 NOVEMBER TO 10 NOVEMBER 2020 • VOLUME- 15 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

राहुल ने मोदी और नीतीश पर बिहार को लूटने का लगाया आरोप, कहा- वादे नहीं किए पूरे, जनता देगी जवाब

• कोरहा/ब्यूरो

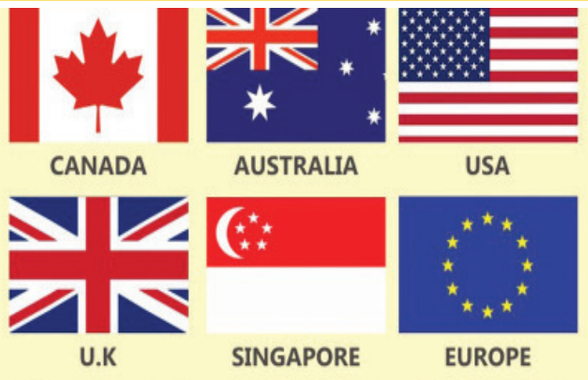

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र और बिहार सरकार पर कोरोना वायरस, बेरोजगारी, किसानों एवं छोटे व्यापारियों की समस्याओं से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि इन दोनों ने मिलकर बिहार को लूटा, वादे पूरे नहीं किये और अब राज्य की जनता इनको जवाब देगी। राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार की जनता ने दोनों को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर लिया है और इस बार राज्य में महागठबंधन की सरकार बनेगी। कटिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लॉकडाउन के दौरान जब लाखों मजदूर हजारों किलोमीटर का सफर पैदल तय करते हुए अपने घर आ रहे थे, तब नीतीश जी और मोदी जी कहां थे? तब मदद नहीं की और अब वोट मांगने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा,''कांग्रेस ने प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए बसों का इंतजाम किया। हम सत्ता में नहीं थे इसलिए लाखों मजदूरों की मदद नहीं कर सके लेकिन हमने अपनी क्षमता अनुसार ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद की।'' कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री विकास तथा रोजगार सृजन के वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं।उन्होंने कहा, ''यहां आए युवाओं से मैं पूछना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वादा किया था कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार दूंगा, नीतीश जी ने भी यही कहा था, लेकिन कहां हैं नौकरियां ? आज युवा बेरोजगार

क्यों है? किसी ने अपना वादा पूरा नहीं किया।''

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि किसान हाल ही में लागू किए गए तीन कानूनों को लेकर मोदी से खफा हैं। राहुल ने कहा कि पहले नोटबंदी, फिर जीएसटी और अब किसानों को खत्म करने का कानून बनाया गया। इसलिये इस दशहरे में पंजाब में किसानों ने नरेन्द्र मोदी, अंबानी, अडाणी(उद्योगपति) का पुतला जलाया। उन्होंने कहा, '' इन कानूनों की सच्चाई पंजाब में सामने आ गई है। और बिहार में भी सामने आ गई है।'' कांग्रेस नेता ने नोटबंदी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे गरीब को नुकसान हुआ लेकिन बड़े 'चुनिंदा' कोरपोरेट को फायदा पहुंचा और इसी तरह जीएसटी ने छोटे दुकानदारों को तबाह कर दिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने रैली में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या उन्हें मक्का का उचित दाम मिल रहा है ? उन्होंने कहा कि देश में मक्का उत्पादन में बिहार की बीस फीसदी भागीदारी है लेकिन ''क्या आपको सही दाम मिलता है ?'' मोदी जी और नीतीश जी ने सही दाम दिलाने के लिए क्या किया? उन्होंने कहा, '' बिहार का हर युवा जानता है कि नरेन्द्र मोदी और नीतीश जी ने मिलकर बिहार को लूटा है। उन्होंने बिहार के छोटे दुकानदारों को तबाह कर दिया। और इसीलिए अब बिहार के युवाओं और किसानों ने महागठबंधन को वोट देने का फैसला किया है।''

उन्होंने लोगों से सवाल किया कि कटिहार में हर साल बाढ़ आती है, हर साल आपको नुकसान होता है लेकिन इस नुकसान से उबरने के लिए मोदी जी और नीतीश जी ने क्या किया? राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में गठबंधन की सरकार बनेगी और वह सरकार पूरे बिहार की सरकार होगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार बनने पर बाढ पर ध्यान देने के साथ साथ मक्का के लिए प्रसंस्करण फैक्ट्री लगायी जायेगी ताकि यहाँ के किसानों को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े।

मोदी सरकार की बड़ी कार्रवाई, खालिस्तान समर्थक 12 वेबसाइटों पर लगाई रोक

• नई दिल्ली/ब्यूरो

सरकार ने खालिस्तान समर्थक संगठनों से संबद्ध 12 वेबसाइटों को प्रतिबंधित करने की घोषणा की है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि प्रतिबंधित वेबसाइटों में से कुछ को सीधे तौर पर गैरकानूनी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' (एसएफजे) द्वारा संचालित किया जा रहा था। वेबसाइटों पर खालिस्तान समर्थक सामग्री थी। नाम उजागर ना करने की शर्त पर एक सूत्र से कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने आईटी अधिनियम की धारा 69ए के तहत 12 वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है।'' इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भारत में साइबरस्पेस की निगरानी का अधिकार प्राप्त है।

'एसएफजेएए4फार्मर्स', 'पीबीटीम', 'सेवा413', 'पीबी4यू', 'साडापिंड' प्रतिबंधित वेबसाइटों में शामिल हैं।

इनमें से कुछ प्रतिबंधित वेबसाइटों को खोजने पर अब यह संदेश आ रहा है, '' आपके द्वारा जिस 'यूआरएल' का अनुरोध किया गया है, उसे भारत सरकार के दूरसंचार विभाग से प्राप्त निर्देशों के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए प्रशासक से सम्पर्क करें।'' गृह मंत्रालय ने पिछले साल राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए 'एसएफजे' पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए 'एसएफजे' से संबद्ध 40 वेबसाइटों पर जुलाई में प्रतिबंध लगा दिया था।

प्राइमरी टीचर्स ट्रांसफर मामला: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तबादलों पर लगी रोक हटाई, यूपी सरकार को मिली राहत

• प्रयागराज/ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों के अंतर्जनपदीय तबादले के मामले में फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तबादलों पर लगी रोक हटा दी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद क लाख से ज्यादा टीचर्स के एक से दूसरे जिले में तबादले का रास्ता साफ हो गया है। मामले में दिव्या गोस्वामी समेत सैंकड़ों शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. एक बार तबादले का लाभ ले चुके शिक्षकों को बाहर किए जाने के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं।

दोबारा भी मिल सकता है ट्रांसफर

गंभीर बीमारियों से पीड़ति टीचर्स का मेडिकल ग्राउंड पर दोबारा ट्रांसफर हो सकता है। दिव्यांगों को भी विशेष परिस्थिति में लाभ मिल सकता है। ऐसी विवाहित महिला टीचर्स जिन्होंने शादी से पहले तबादला कराया था अब जरूरत के आधार पर ससुराल वाले जिले में ट्रांसफर पाना चाहती हैं, वो भी इस दायरे में आ सकती हैं. खास बात ये है कि बीच सत्र में तबादले नहीं हो सकेंगे, लेकिन इस बार ये आदेश लागू नहीं होगा।

यूपी सरकार को राहत

इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद यूपी सरकार को भी बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने यूपी सरकार के फैसले पर मुहर लगाते हुए अहम आदेश में ये भी कहा कि एक बार ट्रांसफर पा चुके टीचर्स का दोबारा तबादला नहीं हो सकता है।

सामान्य परिस्थितियों में दोबारा ट्रांसफर नहीं हो सकता है। यदि विशेष परिस्थितयां हैं तो दूसरी बार भी तबादला हो सकता है।

शिक्षकों की बनी हुई थी नजर

बता दें कि, इस मामले में 15 अक्टूबर को हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई थी। जिसके बाद जस्टिस अजीत कुमार की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट से आने वाले इस फैसले पर सभी प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों की नजर बनी हुई थी। 54 हजार से से ज्यादा टीचर्स का एक से दूसरे जिले में तबादला होना है। एक लाख से अधिक टीचर्स ने इसके लिए आवेदन किया था।

विपक्षियों पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी, बोले- बिहार में जंगलराज लाने वालों को भारत माता की जय से दिक्कत है

• सहरसा/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि बिहार में 'जंगलराज' लाने वालों को 'भारत माता की जय' और 'जय श्रीराम' से दिक्कत है और प्रदेश के लोगों को इनसे सतर्क रहना चाहिए और इन्हें मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। सहरसा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार की अनेक वीर माताएं अपने लाल, अपनी लाडलियों को राष्ट्ररक्षा के लिए समर्पित करती हैं जो देश की सीमा, संप्रभुता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन बिहार को जंगलराज बनाने वालों के साथी और उनके करीबी चाहते हैं कि आप भारत माता की जय के नारे न लगाएं।'' मोदी ने कहा, ''छठी मैया को पूजने वाली इस धरती पर, जंगलराज के साथी चाहते हैं कि भारत माता की जय के नारे न लगें।'' राजद और कांग्रेस समेत अन्य दलों के विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि ऐसे लोग चाहते हैं कि लोग 'जय श्री राम' भी न बोलें। प्रधानमंत्री ने कहा, ''कभी एक टोली कहती है कि भारत माता की जय के नारे मत लगाओ, कभी दूसरी टोली को भारत माता की जय से सिरदर्द होने लगता है। ये भारत माता के विरोधी अब एकजुट होकर बिहार के लोगों से वोट मांग रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि अगर ऐसे लोगों को ''भारत माता'' से दिक्कत है तो बिहार के लोगों

को भी इनसे दिक्कत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को ऐसे लोगों से सतर्क रहना है जिनका इतिहास 'जंगलराज' का है और जो सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिये जीते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाने को कहा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत, 'लोकल फॉर वोकल' और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं आदि का जिक्र किया। मोदी ने कहा, ''बिहार के लोग आत्मनिर्भर भारत–आत्मनिर्भर बिहार के लिए प्रतिबद्ध हैं, कटिबद्ध हैं। बीते वर्षों में एक नए उदीयमान, आत्मनिर्भर और गौरवशाली अतीत से प्रेरित बिहार की नींव रखी जा चुकी है। अब इस मजबूत नींव पर एक भव्य और आधुनिक बिहार के निर्माण का समय है।'' उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बिहार के लिए हर जिलों के ऐसे उत्पादों को निखारने, संवारने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के हर जिले में कम से कम एक ऐसा उत्पाद है, जो देश–विदेश के बाजारों में धूम मचा सकता है। उन्होंने इस संबंध में खादी, मखाने, मधुबनी पेंटिंग, जूट उद्योग आदि का जिक्र किया। उन्होंने कहा, '' मैं आज देश के 130 करोड़ देशवासियों से आग्रह करता हूं। आने वाले दिनों में धनतेरस, दिवाली, छठ का त्योहार आ रहा है। मेरा आपसे आग्रह है कि जितना संभव हो सके, स्थानीय चीजें ही खरीदें। इससे दिवाली सिर्फ आपके घर ही नहीं, उस गरीब सामान बेचने वाले के घर भी होगी।''

प्रभावशाली व्यक्तियों की ताल पर खूब नाच रहे नगर कौंसिल अधिकारी

सरकारी आदेशों को दिखा रहे ठेंगा, लोग परेशान

• जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

नगर–कौंसिल करतारपुर में पड़ते आर्या नगर कलेर स्ट्रीट के निवासियों ने पिछले कुछ महीनों से अपनी गली ना बनने का कारण एग्जीक्यूटिव अफसर से आर.टी.आई में पूछा गया जिसमें उनके विभाग ने पैसों की कमी का होना बताया है और जो ग्रांट इस गली को बनाने के लिए मिली थी वो तय समय पर खर्च न होने के कारण वापिस चलेगी लेकिन गली में रहते लोगों ने बताया की 8–10–2020 को नगर कौंसिल के अधिकारियों द्वारा काम शुरू करवाया गया था पर गली में रहते ही कुछ लोगों के दबाव में इस गली का काम रोका गया है परन्तु नगर कौंसिल द्वारा उन पर सरकारी काम में विघ्न डालने पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गयी और जब लोगों द्वारा विभाग से ग्रांट वापिस जाने के कागज़ मांगे गए तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए कागज़ जल्द उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया, जिससे साफ पता चलता है की दाल में कुछ काला है और नगर कौंसिल के अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी साधे हुए बैठे है।

इस गली की शिकायत वहां रहते लोगों द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय में भी की गई है जिसमें उनके द्वारा मांग की गई है की उनकी गली में जल्दी इंटरलॉक टाइल्स लगाई जाएं ताकि वहां रह रहे लोगों को जिसमें कुछ बुजुर्ग, दिव्यांग और बच्चों को किसी भी तरह के हादसा होने से बचाया जा सके। और जालंधर डिप्टी डायरेक्टर को इस मुद्दे में हस्तक्षेप करके लोगों की समस्या का समाधान पहल के आधार पर करना चाहिए।

आर्या नगर कलेर स्ट्रीट में बड़ी मुश्किल से अपने घर को जाते हुए एक दिव्यांग।

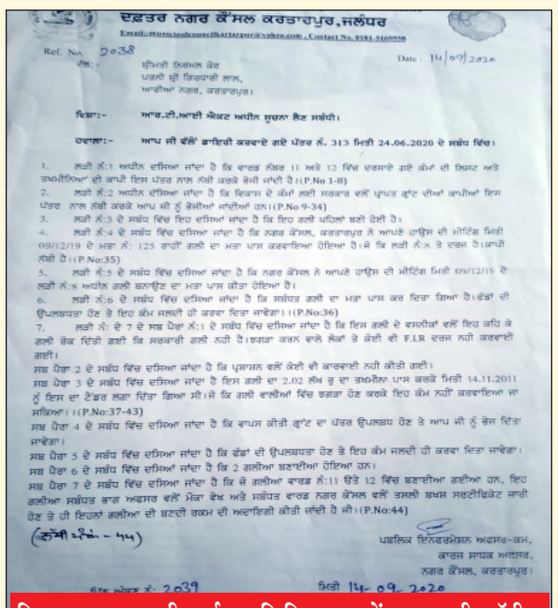

करतारपुर नगर कौंसिल में टूटी हुई गली।

विभाग द्वारा आर.टी.आई का लिखित रूप में जवाब की कॉपी।

दखल

कोरोना ने रोका स्टार्टअप का इंजन

संकट की वजह से हाल में कई उद्यमों को अपने यहां कर्मचारियों की छंटनी के लिए मजबूर होना पड़ा है। देश को हर मामले में आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं से कोई कामधंधा खड़ा कर अपने जैसे दूसरे बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के लिए शुरू किए गए स्टार्टअप अभियान का फिलहाल हासिल यही है कि बड़े पूंजीपति भी अब उनके नाम से कन्नी काटने लगे हैं। इस बारे में उनका मत है कि इस अभियान के नाम पर नए नजरिए वाले कारोबार को अनंतकाल तक पैसा देते हुए घाटा नहीं सहा जा सकता।

अर्थव्यवस्था को गति देने और देश में बेरोजगारी दूर करने के मकसद से छह साल पहले नवोन्मेष की नई संकल्पना के साथ उद्यम (स्टार्टअप) शुरू करने की जो पहल शुरू हुई थी, उससे बड़ी उम्मीदें जगी थीं। लगा था कि पढ़े-लिखे नौजवान नई सोच के साथ नया काम शुरू करेंगे और इससे विकास का नया मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन तब किसी ने सोचा भी नहीं था कि ज्यादातर ऐसे नए कारोबारों का बीच में ही दम फूलने लगेगा। लाखों नौजवानों ने अपनी सकारात्मक ऊर्जा और पूंजी लगाते हुए छोटी-छोटी कंपनियां बनाईं और काम शुरू किया। लेकिन आज इनमें से ज्यादातर उद्यमी हताश होकर काम बंद कर चुके हैं। फिर, जब से कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात में तो इन नए उद्यमियों पर तो जैसे पहाड़ टूट गया। जिन नए उद्यमों की बदौलत अर्थव्यवस्था को एक सहारा मिलने की उम्मीद की जा रही थी, वही उद्यम अब दिन दिन गिन रहे हैं।

औद्योगिक संगठन नैस्कॉम के ताजा सर्वे के मुताबिक बीते तीन महीनों में ही 90 फीसद नई कंपनियां कमाई के सारे स्रोत सूखने के कारण या तो बंद हो गई हैं या बंदी की कगार पर हैं। इनमें से 30 से 40 फीसद ने अपना कामकाज रोक दिया है। हालांकि 70 फीसद उद्यम इस उम्मीद में हैं कि उन्हें जिंदा रखने के लिए नए सिरे से कोष मुहैया कराया जाएगा। लेकिन यहां मौजू सवाल यह है कि जिन बड़े पूंजीपतियों ने भारी कमाई के नजरिए से ऐसी नई कंपनियों में पहले से ही अच्छा निवेश कर रखा था, बेहिसाब घाटे की सूरतों में अब वे इनमें नया निवेश क्यों करेंगे। सवाल इस तरह के उद्यमों को लेकर सरकार की मंशा पर भी है। जो सरकार करोड़ों रोजगारों के लुभावने सपनों और दावों के साथ इस तरह के अभियान छेड़ती है, वह इनके डूबने की खबर मिलने पर वैसे ही आर्थिक पैकेज क्यों नहीं मुहैया कराती, जैसे कि बड़े औद्योगिक घरानों को दिए जाते हैं।

संकट की वजह से हाल में कई उद्यमों को अपने यहां कर्मचारियों की छंटनी के लिए मजबूर होना पड़ा है। इनमें कई कंपनियां तो ऐसी भी हैं जिन्होंने बीते एक साल में दस करोड़ डॉलर की पूंजी देशी-विदेशी निवेशकों से जुटाई है। फिर भी एक मोटे अनुमान के मुताबिक देश में 2004 के बाद से खुली एक हजार से ज्यादा कंपनियों में से दो सौ कंपनियों को तो अब कोई मदद नहीं मिल रही है और तीस से पचास कंपनियां कर्ज में डूब कर दिवालिया हो चुकी हैं। वर्ष 2016 से ऐसे उद्यमों (स्टार्टअप) के कामकाज का लेखाजोखा रखने वाली शोध कंपनी ट्रैक्सन टेक्नोलॉजी ने तो बंद हो रही कंपनियों के लिए 'डेडपूल' जैसे शब्द का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इस संगठन के कहना है कि बीते चार साल में देश के भीतर शुरू हुई छोटी-बड़ी करीब 14 हजार कंपनियां घाटे, बुरे प्रबंधन और मांग में कमी के कारण बंद कर दी गई हैं। इनमें से ढाई सौ कंपनियां बीते दो महीने में बंद हुई हैं और आने वाले महीनों में इससे भी बुरा वक्त इनकी किस्मत में है। कहने को कोविड-19 को नया काम शुरू करने वाली कंपनियों के लिए इतिहास का सबसे बुरा दौर कहा जा रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि इनके लिए शुरुआती दौर को छोड़ कर अच्छा समय तो कभी आया भी नहीं। अभी भी जो स्टार्टअप कंपनियां बची हुई हैं, उनमें से अधिकतर के संस्थापक-संचालक यह उम्मीद कर रहे हैं कि उनका अधिग्रहण कर लिया जाएगा और किसी न किसी तरह से और पूंजी जुटा कर उन्हें तब तक चलाने की कोशिश की जाएगी, जब तक कि वे लाभ की स्थिति में नहीं आ जातीं।

देश को हर मामले में आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं से कोई कामधंधा खड़ा कर अपने जैसे दूसरे बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के लिए शुरू किए गए स्टार्टअप अभियान का फिलहाल हासिल यही है कि बड़े पूंजीपति भी अब उनके नाम से कन्नी काटने लगे हैं। इस बारे में उनका मत है कि इस अभियान के नाम पर नए नजरिए वाले कारोबार को अनंतकाल तक पैसा देते हुए घाटा नहीं सहा जा सकता। हालांकि कई बड़े उद्योगपति आरंभ में इस तरह की नई कारोबारी कंपनियों के मुरीद रहे हैं। उन्होंने यह मानते हुए इनमें काफी पैसा लगाया है कि आगे चल कर ये पुरानी कंपनियां का बेहतर विकल्प बन सकती हैं। लेकिन आधे दशक में ही इनका बुरा हाल देख कर नजरिया बदल गया है। पूंजीपतियों के अलावा खुद उन युवाओं का भी ऐसे उद्यमों से मोहभंग हुआ है जिन्होंने नौकर के बजाय मालिक बन कर कंपनी बनाने के सपने के साथ इन्हें शुरू किया था।

अगर आइटी स्टार्टअप कंपनियों की बात करें, तो नौकरी छोड़ कर इन्हें शुरू करने वाले आइटी इंजीनियरों ने पाया कि जब तक ये किसी सेवा या उत्पाद से जुड़े नए विचार को मूर्त रूप लेकर बाजार में उतरती हैं, तब उस उत्पाद या सेवा की मांग में तब्दीलियां आ जाती हैं। इससे साबित होता है कि कम संसाधन और छोटे स्तर पर कामकाज शुरू करने पर ये कंपनियां भविष्य में पैदा होने वाली मांग का सही-सही अनुमान नहीं लगा पाती हैं और पिछड़ जाती हैं। इसके अलावा यदि बड़ी कंपनियां उन्हीं के समान सेवा और उत्पाद बाजार में उतार देती हैं, तो प्रचार आदि सहूलियतों के अभाव में ऐसे उद्यम अपने उत्पाद या सेवा के बारे में उपभोक्ताओं को न तो असरदार ढंग से बता पाते हैं और न ही अपने उत्पाद खरीदने के लिए उन्हें राजी कर पाते हैं। कमाई और विकास करने के मामले में पिछड़ने की वजह से उनके संस्थापकों को वित्तीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसलिए या तो स्टार्टअप अधिग्रहण की प्रक्रिया के तहत खुद को बड़ी कंपनियों के हवाले कर देते हैं या काम ही बंद कर देते हैं।

यह मानना गलत होगा कि स्टार्टअप की शुरुआत एक बुरा विचार है। बेरोजगार युवाओं की फौज देखें और उन्हें दक्ष बनाने के प्रयासों पर नजर डालें तो लगता है कि शुरुआती नाकामियों के बावजूद स्टार्टअप योजनाओं को टिकाए रखने में ही देश की भलाई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि ऐसी कंपनियां अपनी किसी बेजोड़ खूबी के बल पर निवेशकों से पैसा जुटाने में सफल होती हैं। लेकिन समस्या यह है कि निवेशक अपनी पूंजी की वापसी के लिए लंबा इंतजार नहीं कर सकते, इसलिए उनके दबावों के आगे कंपनियां समर्पण कर देती हैं। कायदे से इस मोर्चे पर सरकार की भूमिका होनी चाहिए, जो तकरीबन गायब है। सरकार मुद्रा लोन के जरिए थोड़ी-बहुत रकम उपलब्ध करा रही है, लेकिन वह ऊंट के मुंह में जीरे समान है। सरकार के योजनाकार अगर यह व्यवस्था बना सकें कि जिन कंपनियों में उन्हें बेहतर भविष्य और योजनाओं को सिरे चढ़ाने का संकल्प दिखता है, तो सस्ते कर्ज की बदौलत वे उन्हें फूलने-फलने के पर्याप्त मौके दिलाएं।

खुद उद्यम खड़े करने वाले युवाओं को सोचना होगा कि कोई भी कंपनी अंततः कारोबारी फायदे के लिए बनाई जाती है। अगर वे इस एक मकसद के साथ सारा कौशल इसमें झोंक दें तो उन्हें सफल होने से रोका नहीं जा सकेगा। एक अच्छा संकेत यह है कि हमारे देश में थोड़ा-बहुत संपन्न हुए मध्यवर्ग ने अपने बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए स्टार्टअप की बढ़ने का हौसला दिखाया है। शर्त यही है कि सरकार और समाज नए संकल्पों के साथ सामने आ रहे युवाओं का उत्साहवर्धन करें और युवा यह मान कर उद्यम खड़े करें कि यह उनके जीवन-मरण का प्रश्न है, यानी यदि वे इसमें नाकाम हुए हो, तो वापसी का कोई विकल्प उनके लिए नहीं बचा है।

विचार

घाटी में हिजबुल फिर नेतृत्व विहीन

कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियां बढ़ाने के प्रयासों को झटका लगा है। हिजबुल के कमांडर सैफुल्लाह के मारे जाने के बाद घाटी में कुछ दिनों तक जरूर शांति रहेगी। फिर निश्चित रूप से कोई न कोई आतंकियों का रहनुमा बनने की कोशिश करेगा और मारा जाएगा।

मोस्टवांटेड आतंकवादी डॉ. सैफुल्लाह मीर उर्फ गाजी हैदर के मारे जाने से आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन और पाकिस्तान को तगड़ा झटका लगा है। घाटी में हिजबुल की कमर टूट गई है। एक बार फिर यह आतंकी तंजीम नेतृत्व विहीन हो गया है। ऐसे में पाकिस्तान तथा आईएसआई को वादी में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने में दिक्कतें सामने आ सकती हैं। सैफुल्लाह के मारे जाने के बाद घाटी में हिजबुल मुजाहिदीन अब नेतृत्वविहीन हो गया है। वहीं पुलिस प्रशासन का कहना है कि आतंकियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। स्थानीय आतंकी समर्पण कर दें तो उनके बेहतर भविष्य की कोशिश की जाएगी। मई महीने में रियाज नायकू को मारकर सुरक्षा बलों के हाथ सबसे बड़ी कामयाबी लगी थी। इसके बाद सैफुल्लाह को कमान सौंपी गई थी। यह हिजबुल में सबसे लंबे समय से सक्रिय था। रियाज के बाद डिप्टी कमांडर माने जाने वाले जुनैद सेहरई को श्रीनगर में ढेर कर दिया गया।

जुनैद हुर्रियत प्रमुख मोहम्मद अशरफ सेहरई का बेटा था, जो कि कश्मीर विश्वविद्यालय से एमबीए कर चुका था। हिजबुल मुजाहिदीन का दक्षिणी कश्मीर में खासा प्रभाव है। वह मध्य कश्मीर और उत्तरी कश्मीर में भी अपनी पकड़ बनाने में जुटा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तान के इशारे पर हिजबुल घाटी में अपनी गतिविधियां संचालित करता था। कश्मीर के कमांडर के मारे जाने से पाकिस्तान तथा आईएसआई को अपनी गतिविधियां चलाने पर ब्रेक लग गया है। सैफुल्लाह के मारे जाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि अब युवा संगठन में शामिल होने से कतराएंगे। हिजबुल के आतंकियों के लगातार मारे जाने से संगठन में नई भर्ती पर काफी हद तक अंकुश लगा है। संगठन के नेतृत्वविहीन हो जाने से नई भर्ती रुकेगी। साथ ही संगठन की आतंकी वारदातों पर भी अंकुश लगेगा। घाटी में इस साल सुरक्षा बलों ने 200 आतंकियों को ढेर कर दोहरा शतक लगाया है।

ऑपरेशन आल आउट के तहत दक्षिणी, उत्तरी और मध्य कश्मीर सभी जगह ऑपरेशन चलाए गए। सुरक्षा बलों को आतंकियों की मौजूदगी के खास इनपुट भी समय पर मिलने की वजह से सफलता मिल रही है। इसमें कोई शक नहीं कि सेना और सुरक्षाबलों के सघन तलाशी अभियान से आतंकी संगठनों के पसीने छूट रहे हैं। इसलिए वे अब जो हमले कर रहे हैं, वे हताशा का परिणाम हैं। आतंकी संगठन इस रणनीति पर चल रहे हैं कि हमलों से सेना और नागरिकों का मनोबल टूटेगा। पाकिस्तानी सेना पिछले कुछ समय से तीन सौ से ज्यादा आतंकियों को भारत में घुसाने की कोशिश में है और इसके लिए उसने बाकायादा भारतीय सीमा के करीब शिविरों में आतंकियों को तैयार कर रखा है। लेकिन सीमा पर कड़ी चौकसी के कारण यह मुश्किल साबित हो रहा है। सीमापार से गोलीबारी की घटनाएं बढ़ने के पीछे एक वजह इन आतंकियों को घुसाने की भी है।

आखिर क्यों टूट रहे परिवार

भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है। कच्चे से पक्के होते घरों की ऊंची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है। आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है। बड़े-बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है। यह सही नहीं है। यह मार्ग पतन की ओर जाता है।

आज सभी को एक संस्था के रूप में पारिवारिक मूल्यों और परिवार के बारे में सोचने-समझने की सख्त जरूरत है और साथ ही इन मूल्यों की गिरावट के कारण ढूंढकर उनको दुरुस्त करने की भी जरूरत है। इसके लिए समाज के कर्णधार कवि, लेखकों, गायकों, नायक-नायिकाओं, शिक्षक वर्गों और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ राजनीतिज्ञों को संस्था के रूप में परिवार के पतन के निहितार्थ के बारे में भी लिखना और सोचना चाहिए. खुले मंचो से इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि इस गिरावट के कारण क्या है? परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। संयुक्त परिवार प्रणाली या एक विस्तारित परिवार भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण विशेषता रही है, जब तक शहरीकरण और पश्चिमी प्रभाव के मिश्रण ने झटका देना शुरू नहीं किया।

परिवार एक बुनियादी और महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है जिसकी व्यक्तिगत और साथ-साथ ही सामूहिक नैतिकता को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों का पोषण और संरक्षण करता है। यह कानून का पालन करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन देकर समाज को स्थिरता प्रदान करता है। यह व्यक्ति में सामूहिक चेतना के निर्माण में मदद करता है। परिवार प्रणाली एक एकल, शक्तिशाली किस्में है जो सदियों से है, और विविधता के साथ समृद्ध, सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है समाजीकरण में यह भावनात्मक संबंध का प्रमुख स्रोत है, समाजीकरण और नैतिकता को आकार देने के तरीके से सही और गलत की भावना उत्पन्न करता है। बच्चों को उनके माता-पिता, उनके साथियों और उनके समाज के सामाजिक सम्मेलनों के अनुसार नैतिक निर्णय लेने के रूप में देखा जाता है। यह व्यक्तिगत चरित्र को मजबूत करता है। यह आदत बनाने का पहला स्रोत है जैसे अनुशासन, सम्मान और आज्ञाकारिता आदि।

नैतिक मजबूती के साथ-साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे हैं। गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक संबंध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है। इसके कारण भैतिक उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक आकांक्षा वाली पीढ़ी तथाकथित जटिल पारिवारिक संरचनाओं से संयम खो रही है। जिस तरह व्यक्तिवाद ने अधिकारों और विकल्पों की स्वतंत्रता का दावा किया है। उसने पीढ़ियों को केवल भौतिक समृद्धि के परिप्रेक्ष्य में जीवन में उपलब्धि की भावना देखने के लिए मजबूर कर दिया है।

वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है। परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। उच्च तलाक की दर निसंदेह सामाजिक रिश्तों को निगल रही है। विवाह के टूटने का प्रमुख कारण एकल रवैये, व्यवहार व समझौता किए गए मूल्यों में प्रौद्योगिकी काला धब्बा है। युवा पीढ़ी का असामाजिक व्यवहार परिवारों को तेजी से नष्ट कर रहा है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुजुर्गों की देखभाल, आदि, बाहर की एजेंसियों, जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी। परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है। एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से संबंध हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक संबंधों के कारण जोड़कर रखता है।

नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद-पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक-आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है। परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आए दिन कहीं न कहीं बुजुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है। आज ज्यादातर लोग सार्थक जीवन का अभाव झेल रहें है। पारिवारिक प्रणाली के पतन का एक नुकसान यह है कि साझाकरण, देखभाल, सहानुभूति, सहयोग, ईमानदारी, सुनने, स्वागत करने, मान्यता, विचार, सहानुभूति और समझ के गुणों का कम होना है। हाल के दिनों में तनाव की सहनशीलता में कमी, चिंता और अवसाद के मामले बढ़ रहे हैं।

परिवार प्रणाली बुजुर्ग सदस्यों से बात करने, बच्चों के साथ खेलने से गहरी असुरक्षा की अभिव्यक्ति के साथ मानसिक रूप से व्यक्ति को राहत दे सकती है। परिवार प्रणाली में गिरावट अधिक व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के मामले पैदा कर सकती है। भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में कार्यबल का महिलाकरण हो सकता है। संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहां परिवार प्रणाली सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार होते हैं।

परिवार एक बहुत ही तरल सामाजिक संस्था है और निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया में है। आधुनिकता समान-लिंग वाले जोड़ों, लिव-इन संबंधों, एकल-माता-पिता के घरों, अकेले रहने वाले या बच्चों के साथ तलाक का एक बड़ा हिस्सा उभरने का गवाह बन रहा है। इस तरह के परिवारों को पारंपरिक रिश्तेदारी समूह के रूप में कार्य करना आवश्यक नहीं है और ये समाजीकरण के लिए अच्छी संस्था साबित नहीं हो सकती। भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है।

ट्विटर

कश्मीर घाटी में आतंकियों की हरकतों पर लगाम लगाने की कोशिश की जा रही है। वे सरेंडर कर दें तो ठीक, वरना उनका अंजाम सैफुल्लाह की तरह ही होगा।

दिलबाग सिंह, डीजीपी कश्मीर

कश्मीर में आतंक से निपटने सेना को फ्री हैंड दिया गया है और अब इसके परिणाम भी दिख रहे हैं। ऐसा एक दशक पहले किया जाता तो आज हालात बदले दिखते।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

सत्यार्थ

प्रीतम की प्रेरणा

प्रीतम सिंह ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान लड़ाई लड़ी थी। वे जानते थे कि युद्ध में अपंग हुए सैनिकों को अपना पूरा जीवन दूसरों की दया पर गुजारना पड़ता है। ऐसे अनेक लोग मौत को जिंदगी से बेहतर मानने लगते हैं। एक बार प्रीतम सिंह एक ऐसे पूर्व सैनिक से मिले, जिसके एक हाथ और दोनों पैर कट चुके थे। वह गिलास से पानी पीने की कोशिश कर रहा था। गर्मियों के दिन थे। गिलास उसके हाथ से छूटकर गिर गया। पैरों से लाचार वह व्यक्ति याचक बन इधर-उधर निहारता रहा। उसकी यह हालत देख प्रीतम सिंह की आंखें छलक आईं। उन्होंने उसे पानी पिलाया। पानी पीकर वह प्रीतम सिंह से बोला- युद्ध या दुर्घटना में यदि व्यक्ति अपंग हो जाए तो उस का जीवन नरक बन जाता है। इससे तो मर जाना अच्छा है। प्रीतम सिंह ने कहा- आप कैसी बातें करते हैं, जीवन तो अनमोल है। अगर सांसें एक बार छिन जाएं तो वापस कभी नहीं आ पातीं। व्यक्ति ने प्रतिप्रश्न किया-तो क्या अंग एक बार कटने के बाद वापस आ सकते हैं? बस यही बात प्रीतम के दिल को छू गई। उन्होंने उसी समय निश्चय कर लिया कि अपंगों के लिए वे कुछ न कुछ अवश्य करेंगे। इसके बाद उन्होंने अपना जीवन अपंग लोगों के लिए कृत्रिम अंग बनाने में लगा दिया। प्रीतम सिंह खाली टिन के डिब्बों और लकड़ी की चीजों का इस्तेमाल कर अपंगों के लिए कृत्रिम अंग बनाने लगे। प्रीतम सिंह के बेटे जगबीर भी पिता को यह सब करते हुए देखते थे। पिता की मृत्यु के बाद जगबीर ने उनकी स्मृति में प्रीतम ट्रस्ट की स्थापना की। यह ट्रस्ट जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान करता है। आज पुंछ में जगबीर सिंह सूदन को चमत्कारी वैद्य के नाम से जाना जाता है।

निकिता मर्डर केस

मृतका के भाई को मिला सेल्फ डिफेंस के लिए आर्म्स लाइसेंस

फरीदाबाद, (एजेंसी)। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में सरेआम हुई छात्रा की हत्या के बाद से पुलिस मृतका निकिता तोमर के परिवार की सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर नजर आ रही है। इस कड़ी में पुलिस ने मृतका के भाई को सेल्फ डिफेंस के लिए आर्म्स लाइसेंस दिया है, इससे पहले पुलिस पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया करा चुकी है। इस मामले में पुलिस 3 दिन में कोर्ट में चालान पेश करेगी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की पैरवी होगी।

वहीं, निकिता मर्डर मामले में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यह मामला लव जिहाद से जुड़ा हुआ है। इस मामले पर सरकार गंभीर है। केंद्र सरकार के साथ भी लगातार विचार विमर्श चल रहा है। ऐसे मामले दोबारा न हों, इसको लेकर भी चिंतन किया जा रहा है। लव जिहाद पर कानून बनाने को लेकर भी विचार चल रहा है। इस मामले में निर्दोष न फंसे इस बात का पूरा धयान रखा जाएगा, लेकिन दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पिघलेगी भारत-नेपाल के रिश्तों पर जमी बर्फ!

आर्मी चीफ जनरल नरवणे की नेपाली पीएम ओली संग होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे सीमा विवाद के बीच इस सप्ताह नेपाल का दौरा करेंगे। इस दौरे पर नरवणे को नेपाली सेना के जनरल पद से सम्मानित किया जाएगा। जनरल नरवणे 5 नवंबर को प्रधानमंत्री केपी ओली से भी मुलाकात करेंगे। पिछले कुछ समय से सीमा विवाद को लेकर भारत और नेपाल के रिश्तों में खटास आई है और ऐसे में सेना प्रमुख एवं नेपाली पीएम के बीच होने वाली यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। इस मामलों से वाकिफ सूत्रों के अनुसार, इसके बाद, दोनों देशों के बीच सचिव स्तर की वार्ता फिर से शुरू हो सकती है।

भारत और नेपाल के बीच में हमेशा से ही रिश्ते अच्छे रहे हैं। दोनों देशों के बीच बेटी और रोटी का रिश्ता रहा है, लेकिन इस साल जून में नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार ने संसद से विवादास्पद मैप पारित करवाया, जिसमें भारत के क्षेत्र को अपनी सीमा में दिखा दिया। इसके बाद, दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट आ गई। नेपाल के इस कदम के पीछे चीन की साजिश थी और वहीं, पीएम केपी ओली विवादित मैप पारित करके अपनी सरकार और पार्टी पर पकड़ मजबूत करना चाहते थे।

नरम पड़ रहे पीएम केपी ओली के तेवर

नए मैप को लेकर भारत-नेपाल के बीच रिश्तों में आई खटास के बाद अब नेपाली पीएम केपी ओली के तेवर कुछ नरम पड़े हैं। हाल के महीनों में दोनों पड़ोसी देशों ने संबंधों को फिर से बेहतर करने का प्रयास किया है। सितंबर महीने में, पीएम ओली ने देश के संशोधित राजनीतिक मैप के साथ प्रकाशित होने वाली स्कूली किताबों के वितरण को रोकने का फैसला किया था। वहीं, पिछले महीने अक्टूबर में, केपी ओली ने आर्मी चीफ जनरल नरवणे के नेपाल के तीन दिवसीय दौरे को हरी झंडी दे दी थी। यह दौरान, चार नवंबर से शुरू हो रहा है। इसके अलावा, उन्होंने डिप्टी पीएम ईश्वर पोखरल को रक्षा मंत्रालय से हटा दिया था। पोखरल भारत के आलोचक के रूप में माने जाते रहे हैं और वे आर्मी चीफ नरवणे के नेपाल दौरे के खिलाफ थे।

फिर से बेहतर होंगे पड़ोसी देशों के बीच संबंध!

सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि अगर बातचीत उम्मीद के मुताबिक हुई तो भारत विदेश सचिव स्तर की वार्ता और संयुक्त तकनीकी स्तर सीमा समिति की बैठक फिर से शुरू करेगा, वहीं, रिसर्च एंड एनालिस्ट विंग के चीफ सामंत कुमार गोयल ने पिछले हफ्ते नेपाल का चुपचाप दौरा किया था और पीएम केपी ओली से एक राउंड की बैठक की थी, जहां पर दोनों पक्षों ने दोनों देशों के साथ सांस्कृतिक, बहुआयामी मैत्रीपूर्ण संबंधों पर जोर दिया था। आर्मी चीफ नरवणे का नेपाल का दौरा उस समय हो रहा है, जब पीएम ओली अभी भी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर एक तीखे सत्ता संघर्ष के बीच में खड़े हुए हैं। कम्युनिस्ट पार्टी का गठन 2018 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और पुष्पा कमल दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर के विलय के बाद हुआ था।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020

दूसरे चरण में कई नेताओं के बेटे-बेटियों की साख दांव पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के 17 जिलों की 94 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग होनी है। ऐसे में दूसरे चरण की 94 सीटों पर कुल 1463 उम्मीदवार मैदान में है, जिनमें 1316 पुरुष, 146 महिला और एक थर्ड जेंडर के प्रत्याशी शामिल हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा नजर उन सीटों पर है, जहां दिग्गज नेताओं के बेटे-बेटियां चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के दोनों बेटे तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव की प्रतिष्ठा ही दांव पर नहीं है, इतना ही नहीं बल्कि शरद यादव की बेटी से लेकर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे की किस्मत का फैसला इसी चरण में होना है।

बिहार की सबसे हाई प्रोफाइल सीट:

बिहार चुनाव के दूसरे चरण की राघोपुर और हसनपुर सीट पर सभी की निगाहें हैं। राघोपुर से नेता प्रतिपक्ष एवं महागठबंधन का चेहरा तेजस्वी यादव मैदान में हैं तो हसनपुर सीट से उनके बड़े भाई तेजप्रताप यादव किस्मत आजमा रहे हैं। तेजस्वी अपनी पुरानी सीट से ही चुनाव मैदान में हैं, जिनके खिलाफ भाजपा के सतीष राय ताल ठोक रहे हैं। यह 1995 से लालू का मजबूत दुर्ग माना जाता है, पर 2010 के चुनाव में सतीष ने राबड़ी देवी को मात देने में सफल रहे थे।

वहीं, लालू यादव के दूसरे बेटे तेजप्रताप यादव ने इस बार महुआ के बदले हसनपुर को चुना है, जिनका मुकाबला जेडीयू के राजकुमार राय से होगा, जो पिछली दो बार से विधायक हैं। तेजस्वी ने अपनी और अपने भाई की सीट पर दो-दो बार जनसभाएं की हैं।

शरद यादव की बेटी की प्रतिष्ठा दांव पर

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव की बेटी सुभाषिनी की किस्मत का फैसला इसी फेज में होना है। सुभाषिनी अपने पिता शरद यादव के संसदीय क्षेत्र रहे मधेपुरा इलाके की बिहारीगंज विधानसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रही हैं, जिनका मुकाबला जेडीयू के निरंजन कुमार मेहता से माना जा रहा है। हालांकि, जेडीयू यहां पर पिछले दो चुनाव से लगातार जीत दर्ज कर रही है, जबकि इससे पहले आरजेडी का तीन बार कब्जा रहा है।

शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे की भी परीक्षा : फिल्म अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा की किस्मत का फैसला इसी दूसरे चरण के चुनाव में होना है। लव सिन्हा पटना के बांकीपुर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे हैं। बांकीपुर सीट पर लव सिन्हा का मुकाबला भाजपा के तीन बार के विधायक नितिन नवीन और प्लूरल्स पार्टी से उतरीं पुष्पम प्रिया से माना जा रहा है।

चिराग का नया नारा- 'नीतीश कुआं तो तेजस्वी खाई, लोजपा-भाजपा सरकार बनाई'

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में मंगलवार को दूसरे चरण के लिए मतदान होना है। इस बीच सोमवार को लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और महागठबंधन की ओर से सीएम कैंडिडेट तेजस्वी यादव पर सीधा हमला बोला है। इसके साथ ही चिराग ने नया चुनावी नारा दिया है-'नीतीश कुआं तो तेजस्वी खाई, लोजपा-भाजपा सरकार बनाई' सोमवार सुबह पटना में पत्रकारों से बातचीत में चिराग ने मुंगेर की हिंसा के लिए एक बार सीएम नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के कहने पर ही वहां गोली चलाई गई थी। चिराग ने प्रदेश सरकार में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम नीतीश कुमार आयकर विभाग की छापेमारी से परेशान हैं। सात निश्चय में जांच की बात से भी वह घबराए हुए हैं। चिराग ने कहा कि नीतीश कुमार ने 15 साल सुशासन बाबू का टैग पहने रखा, लेकिन अब उनकी सच्चाई सबके सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि शराब तस्करों के लिए नीतीश कुमार को शराब तस्करों की चिंता सता रही है। बिहार में बिना पैसों के लेन-देन के शराब बेचना संभव नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि पिछले पांच साल में नीतीश कुमार ने क्या किया है, आने वाले दिनों में उनका क्या रोडमैप है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के पुत्र भी मैदान में

जेडीयू के टिकट पर दरभंगा ग्रामीण से पूर्व केंद्रीय मंत्री एए फातमी के पुत्र फराज फातमी मैदान में उतरे हैं, जिनके खिलाफ आरजेडी के मौजूदा विधायक ललित यादव एक बार फिर से मैदान में हैं। ऐसे ही पूर्व सांसद कमला मिश्रा मधुकर की पुत्री शालिनी मिश्रा जेडीयू प्रत्याशी के तौर पर केसरिया सीट से मैदान में उतरी हैं। वहीं, आरजेडी से संतोष कुशवाहा, एलजेपी से राम शरण यादव और आरएलएसपी से महेश्वर सिंह मैदान में हैं। 2015 में आरजेडी के राजेंद्र प्रसाद ने जीत दर्ज की थी। इसके अलावा पूर्व मंत्री आरएन सिंह के पुत्र डॉ. संजीव कुमार को परबत्ता और हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य के पुत्र कौशल किशोर और एलजेपी प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज के भाई कृष्ण राज रोसड़ा से हैं, जिनकी किस्मत का फैसला इसी चरण में होना है।

न्यूज

पूर्व कांग्रेस सांसद अन्नू टंडन सपा में शामिल

लखनऊ, (एजेंसी)। करीब एक दशक से ज्यादा समय कांग्रेस में गुजारने के बाद अन्नू टंडन ने अपने समर्थकों के साथ अखिलेश यादव की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले ली। उन्होंने कहा कि मेरे सपा में शामिल होने का कारण अखिलेश यादव खुद हैं। उन्होंने अपनी सरकार में जितना काम किया उससे ज्यादा करना संभव नहीं था। अखिलेश फिर से मुख्यमंत्री बनें यही मेरा मकसद है। कांग्रेस छोड़ने के बारे में उन्होंने कहा कि मैंने करीब 15 वर्ष कांग्रेस में गुजारे हैं और मुझे राहुल गांधी व सोनिया गांधी से भरपूर स्नेह मिला है, लेकिन मैं 2019 के बाद से निराश थी, जिसके बाद मैंने तय किया कि अब जनता के लिए काम करना है तो कांग्रेस छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यूपी में कांग्रेस का संगठन अभी इतना मजबूत नहीं है कि भाजपा का सामना कर सके।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह का निधन

पटना, (एजेंसी)। बिहार में सबसे कम पांच दिन के लिए मुख्यमंत्री रहे शोषित समाज दल के नेता सतीश प्रसाद सिंह का सोमवार को दिल्ली में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। श्री सिंह लंबे समय से बीमार थे और उनका दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज चल रहा था, जहां सोमवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी पुत्री सुचित्रा सिन्हा बिहार सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। वह सपा नेता स्व. जगदेव प्रसाद की पुत्रवधु और पूर्व केन्द्रीय मंत्री नागमणि की पत्नी है। गौरतलब है कि 28 जनवरी 1968 को कांग्रेस के समर्थन से शोषित समाज दल के नेता श्री सतीश प्रसाद सिंह मुख्यमंत्री बनाए गए, लेकिन महज पांच दिन में ही उन्हें पद छोड़ना पड़ा। यह बिहार में सबसे कम समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुज मिश्रा गिरफ्तार

जालौन, (एजेंसी)। जालौन में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष अनुज मिश्रा को छेड़खानी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अनुज मिश्रा को गिरफ्तार के बाद पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जिला सत्र न्यायालय ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मिश्रा अब अगले 14 दिन तक उरई जिला कारागार में रहेगा। जालौन में महिलाओं का पीछा करने और परेशान करने पर दो महिलाओं ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष की पिटाई कर दी थी। कांग्रेस नेता को महिलाओं द्वारा चप्पलों से पिटाई का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। साथ ही आरोपी अनुज मिश्रा की कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ की तस्वीर भी वायरल हुई। यह घटना शनिवार को उरई में स्टेशन रोड पर हुई।

**सतर्क रहे!
सुरक्षित रहे!
कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं।
कोरोना को धोना हैं।**

महाराष्ट्र में नीलाम होगी दाऊद इब्राहिम की पुस्तैनी हवेली

10 नवंबर को तीन प्रोसेस के जरिए पूर्ण होगी प्रक्रिया

मुंबई, (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम कासकर के पैतृक गांव महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड़ तहसील की संपत्ति अब नीलाम होगी। बोली लगाने के इच्छुक लोगों ने सोमवार को संपत्ति का मुआयना किया। इस हवेली का मुआयना करने के लिए वकील और पूर्व शिव सैनिक अजय श्रीवास्तव रत्नागिरी पहुंचे। श्रीवास्तव साल 2001 में भी दाऊद की 2 संपत्तियों पर बोली लगाकर उन्हें खरीद चुके हैं।

स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्स्चेंज मॅनिप्युलेटर्स (एसएएफईएमए) एजेंसी डॉन दाऊद की संपत्ति की नीलामी करने वाली है। 10 नवंबर को ई -नीलामी के जरिए नीलामी की ये प्रक्रिया की जाएगी। दाऊद इब्राहिम की ये सभी संपत्ति रत्नागिरी के खेड़ तहसील में हैं। दाऊद की सात जमीन और एक घर को नीलामी होगी।

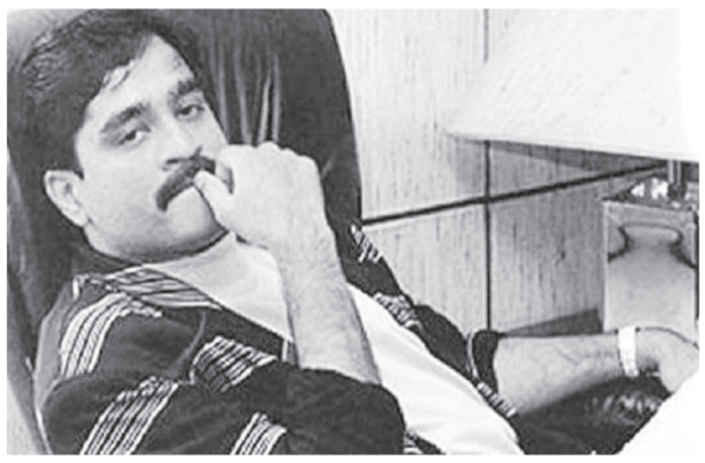

6 नंवबर तक एप्लिकेशन प्रक्रिया होगी पूरी

6 नंवबर तक एप्लिकेशन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी और बिडिंग लगाने वालों के जरिए डिपाजिट जमा करवाया जाएगा औए 10 नवंबर को ई नीलामी, टेंडरिंग और सार्वजनिक बिडिंग ऐसे तीन प्रोसेस के जरिए ये नीलामी प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्स्चेंज मॅनिप्युलेटर्स (एसएएफईएमए) के मुताबिक दाऊद के साथ ही उसके गुर्गे रहे ड्रग माफिया इकबाल मिर्ची की मुंबई की 2 संपत्तियों की भी नीलामी की जाएगी। ये दोनों संपत्ति सांताक्रूज के एक रिहायशी इमारत के अंदर के 2 फ्लैट है, जिनकी कीमत लाखो में है। इन दोनों फ्लैट का एरिया 1245 स्क्वायर फुट बताया जाता है और कीमत करीब 3 करोड़ 45 लाख रुपये है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रोसेस के जरिए होगी नीलामी

जानकारी के मुताबिक दाऊद और इकबाल मिर्ची के संपत्ति की नीलामी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रोसेस के जरिए की जाएगी। पिछले साल अप्रैल महीने में सफेमा ने दाऊद की बहन हसीना पारकर के नाम 600 स्क्वायर फुट फ्लैट की नीलामी की थी और 1 करोड़ 80 लाख में बेचा था। 90 के दशक में तस्करी, फिरौती, आंतकवादी गतिविधियों, नकली नोटों की छपाई, ड्रग, अवैध हथियारों की तस्करी, रियल एस्टेट, गुटखा, होटल बिजनेस और बाकी काले धंधों से भले दाऊद इब्राहिम ने पाकिस्तान, यूएई, तुर्की और दुनिया के बाकी देशों में अरबो की संपत्ति बना ली हो, लेकिन उसके गांव की पुरखो की संपत्ति, उसका बंगला, खेती की जमीन अब नीलामी की कगार कर है।

सपा सांसद आजम खान की बहन का घर नगर-निगम ने किया सील

लखनऊ, (एजेंसी)। नगर निगम टीम ने सोमवार को पूर्व मंत्री आजम खान की बहन निकहत अफलाक को आवंटित रिवर बैंक कॉलोनी के घर को सील कर दिया। यह बंगला वर्ष 2007 में मुलायम सरकार के दौरान नियमों को ताक पर रखकर आवंटित किया गया था। रामपुर के निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर नगर निगम ने जांच की और मकान खाली करने का नोटिस जारी किया था।

नियम विरुद्ध किया गया था आवंटित

नगर आयुक्त डॉ. अर्चना द्विवेदी की मौजूदगी में नगर निगम की टीम सोमवार को रिवर बैंक कॉलोनी पहुंची। भवन संख्या ए2/1 के मुख्य गेट का ताला बंद था। लगभग आधे घंटे तक गेट खटखटाया गया। गेट नहीं खुला तो ताला तोड़ दिया गया। बंगले के अंदर कमरों के दरवाजों पर भी ताला लटक रहा था। नगर निगम ने सभी दरवाजों पर अपना भी एक ताला लगा दिया।

शायर मुनव्वर राना के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ, (एजेंसी)। फ्रांस में आतंकी हमले पर विवादित बयान देने वाले मशहूर शायर मुनव्वर राना के खिलाफ लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दरअसल मुनव्वर राना ने आतंकी हमले को सही ठहराते हुए उसका बचाव किया था। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब का कार्टून बनाकर उस युवा को इतना मजबूर किया गया कि वह किसी का कत्ल कर बैठा। अगर उस छात्र की जगह मैं रहा होता तो मैं भी कत्ल कर बैठता। बात पैगंबर साहब की ही नहीं है कोई अगर भगवान राम का विवादित कार्टून बनाता तो भी मैं यही करता। राना का कहना है कि मजहब मां की तरह है। मजहब से लोगों की आस्थाएं जुड़ी होती हैं। इससे खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। किसी को इतना नहीं उकसाना चाहिए कि वह कत्ल करने पर आमादा हो जाए।

कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान में कराची के हिंदू मंदिर में की जमकर तोड़फोड़

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में आए दिन कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू मंदिर एवं उनके देवी-देवताओं की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने की खबर आती रहती है। इसी कड़ी में आर्थिक राजधानी कराची में कुछ कट्टरपंथियों ने एक प्राचीन हिंदू मंदिर में जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में रखी भगवान गणेश की मूर्तियों को भी तोड़ डाला।

भगवान गणेश की प्रतिमा को भी तोड़ा

ल्यारी इलाके में हुई इस घटना के लिए कट्टरपंथियों ने हिंदुओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एक हिंदू बच्चे पर पैगंबर की ईशनिंदा का आरोप लगाया और इसकी प्रतिक्रिया में उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। वहीं स्थानीय हिंदू समुदाय ने बताया कि कट्टरपंथियों द्वारा लगाया आरोप निराधार है। यहां कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। पाक में पिछले 20 दिनों में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की तीसरी घटना है।

कार्टून विवाद पर फ्रांस के समर्थन में उतरा यूएई

आबूधापी, (एजेंसी)। फ्रांस में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून को लेकर जहां कई मुस्लिम देशों में भयंकर नाराजगी देखने को मिल रही है, वहीं यूएई ने फ्रांस का समर्थन किया है। अबूधाबी के क्राउन प्रिंस और यूएई सेना के डेप्युटी सुप्रीम कमांडर मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान ने फ्रांस के नीस शहर में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। क्राउन प्रिंस ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो से टेलिफोन पर बातचीत की और आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना जाहिर की। शेख मोहम्मद ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां शांति, सहिष्णुता और प्यार का पाठ पढ़ाने वाले सभी धर्मों के सिद्धांतों और मूल्यों के खिलाफ हैं।

अपराध का किसी भी तरह से बचाव करना गलत

क्राउन प्रिंस ने हेट स्पीच को सीधे तौर पर खारिज करते हुए कहा है कि इससे लोगों के आपसी रिश्तों को नुकसान पहुंचता है और अतिवादी विचारधारा को बढ़ावा मिलता है। यूएई के क्राउन प्रिंस ने कहा कि अपराध, हिंसा और आतंकवाद का किसी भी तरह से बचाव करना गलत है। शेख मोहम्मद ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद के लिए मुसलमानों के मन में अपार आस्था है, लेकिन इस मुद्दे को हिंसा से जोड़ना और इसका राजनीतिकरण करना बिल्कुल अस्वीकार्य है। बता दें कि फ्रांस की व्यंग्यात्मक मैगजीन शार्ली हेब्दो में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून फिर से छापे गए थे, जिसे लेकर मुस्लिम देशों से तीखी प्रतिक्रिया आई। फ्रांस के नीस शहर में हुए हमले से पहले, एक स्कूल में पैगंबर का कार्टून दिखाने वाले एक टीचर का सिर कलम कर दिया गया था।

अपराध

पाकिस्तान की एक अदालत ने सुनाया चौंकाने वाला फैसला

13 साल की ईसाई लड़की अपहरणकर्ता को सौंपी

पड़ोसी देश में जबरन किया धर्म परिवर्तन

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक अदालत ने चौंकाने वाला फैसला सुनाते हुए 13 वर्षीय ईसाई लड़की को उसके 44 वर्षीय अपहरणकर्ता अली अजहर के सुपुर्द कर दिया। बता दें कि नाबालिग पीड़िता का 13 अक्टूबर को कराची की रेलवे कॉलोनी के उसके घर से अपहरण कर लिया गया था। आरोप है कि इसके बाद पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया गया और फिर उसे जबरन इस्लाम धर्म अपनाने और अपहरणकर्ता से शादी करने के लिए मजबूर किया गया।

पाकिस्तान के पत्रकार बिलाल फारूकी ने एक ट्वीट के जरिए अदालत के इस एकतरफा फैसले की पुष्टि की है। अपने ट्वीट के साथ उन्होंने सिंध सरकार की ओर से जारी किया गया अगवा लड़की का जन्म प्रमाणपत्र भी साझा किया है। इसमें पीड़िता की उम्र 31 जुलाई, 2007 लिखी हुई है। इस बात के सबूत होने के बावजूद कि पीड़िता नाबालिग है, अदालत ने अपहरणकर्ता को निर्देश दिया कि वह लड़की को उसके द्वारा हस्ताक्षरित शपथ पत्र के आधार पर साथ रखे। यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि सिंध प्रांतीय सभा ने साल 2014 में सिंध बाल विवाह निरोधक कानून बनाया था, ताकि बाल विवाह पर रोक लगाई जा सके और ऐसे किसी अपराध में लिप्त बालिग पुरुषों को तीन साल तक की सजा दी जा सके। आरोपी अली अजहर पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं।

अपहरणकर्ता को दी जाए सुरक्षा

सिंध उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, एसएचओ (स्टेशन हाउस ऑफिसर) को निर्देश दिया गया है कि उत्पीड़न को रोकने के लिए कोई भी गिरफ्तारी न की जाए और इसके बजाय विवाहित जोड़े को सुरक्षा प्रदान की जाए। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि नाबालिग लड़की ने इस्लाम धर्म अपना लिया है और अपना नाम आरजू फातिमा रखा है। अदालत ने कहा कि लड़की ने अली अजहर से अपनी 'स्वतंत्र इच्छा' और बिना किसी डर या खौफ के खुद शादी की है। इससे पहले अली अजहर ने एक नकली विवाह प्रमाणपत्र पेश किया था, जिसमें कहा गया था कि लड़की 18 साल की है और नाबालिग नहीं है।

पीड़िता की मां ने की थी भावुक अपील

नाबालिग लड़की की मां रीटा ने पहले निवेदन किया था, भगवान के लिए मेरी बेटी को बचाएं। हम बहुत चिंतित हैं। कृपया हमारी सहायता करें। वह और उनके समर्थक हमें डरा रहे हैं और हमें इन लोगों से खतरा है। कृपया हमारी अपील सुनें। बेटी के अगवा होने के बाद उनकी नौकरी चली गई और उन्हें अली अजहर से धमकियां मिलनी शुरू हो गईं।

हिंद महासागर में गश्त लगाएगा अब जर्मन नेवी का युद्धपोत

बर्लिन, (एजेंसी)। हिंद महासागर इलाके में चीन को चुनौती देने के लिए जर्मनी ने अपने युद्धपोत को हिंद महासागर में तैनात करने का निर्णय लिया है। जर्मनी की रक्षा मंत्री अन्नग्रेट क्रांप ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दुनिया की भलाई के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है।

चीन पर नकेल कसने उठाया बड़ा कदम

अन्नग्रेट ने कहा कि युद्धपोत के अगले साल तक तैनात होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हमारे इस कदम से विश्व व्यवस्था को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। अन्नग्रेट ने कहा कि हम 2020 की तुलना में 2021 में रक्षा पर अधिक खर्च करेंगे, हालांकि उन्होंने दक्षिण चीन सागर में चीन के क्रिया कलाप पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि जर्मन सेना के अधिकारी ऑस्ट्रेलिया की नौसेना के साथ तैनात होंगे और जर्मन नेवी का युद्धपोत हिंद महासागर में गश्त लगाएगा। अन्नग्रेट ने कहा चीन जर्मनी का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझीदार है और हमारा चीन के साथ मजबूत आर्थिक संबंध है, जो दोनों ही देशों के हित में है।

कृषि कानून : अमरिंदर सिंह के प्रतिनिधिमंडल को नहीं मिला राष्ट्रपति से मिलने का समय, राजघाट पर देंगे धरना

• चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह कृषि कानून के मुद्दे पर उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा मुलाकात का समय नहीं दिए जाने के बाद बुधवार को दिल्ली स्थित राजघाट पर कांग्रेस विधायकों के 'क्रमिक धरना' का नेतृत्व करेंगे। उल्लेखनीय है कि अमरिंदर सिंह ने केंद्र सरकार द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों को निष्प्रभावी करने के लिए पंजाब विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी दिलानें की मांग को लेकर बुधवार को राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा था। राज्य सरकार ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति भवन ने मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन, केंद्र द्वारा मालगाड़ियों का परिचालन स्थगित किए जाने की वजह से राज्य में उत्पन्न हालात को रेखांकित करेगा। रेलवे ने पंजाब में ट्रेनों का परिचालन यह कहकर रोक दिया है कि कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान अब भी कुछ पटरियों पर जमे हैं। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि पटरियों पर से अवरोधक हटा लिए गए हैं और मालगाड़ियों कोपरिचालन की अनुमति दी जा रही है। पंजाब सरकार ने कहा कि कोयले की कमी की वजह से राज्य के ताप विद्युत संयंत्र बंद हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में चूंकि धारा 144 लागू है और लोगों के जमा पर होने पर रोक है, इसलिएविधायक चार-चार के समूह में पंजाब भवन से महात्मा गांधी की समाधि राजघाट जाकर 'क्रमिक धरना' देंगे। सिंह ने कहा कि पहला समूह सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर राजघाट पहुंचेगा। उन्होंने राज्य के कांग्रेस विधायकों के अलावा पंजाब के अन्य पार्टियों के विधायकों से भी धरना में शामिल होने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री, पंजाब के किसानों के साथ बिना शर्त बातचीत करें - चेयरमैन सुखविन्दर सिंह बिंद्रा

भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार पर किसानों के साथ-साथ पंजाब के उद्योगों को नुकसान पहुँचाने का लगाया दोष

• चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब युवा विकास बोर्ड के चेयरमैन सुखविन्दर सिंह बिंद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठजोड़ (एन.डी.ए.) सरकार की निंदा करते हुये कहा कि मोदी सरकार पंजाब के किसानों, नौजवानों और उद्योगों को खत्म करना चाहती है। केंद्र सरकार पर हर तरह से पंजाब को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करने का दोष लगाते हुये स. बिंद्रा ने कहा कि माल गाड़ियों के यातायात को रोकते हुये भाजपा सरकार ने पंजाब राज्य के उद्योगपतियों और व्यापारियों के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि जहाँ उद्योगपति दूसरे राज्यों को अपना तैयार माल नहीं भेज रहे हैं, वहीं माल रेलगाड़ियो के ठप्प होने से कच्चे माल की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के अड़ियल रवैये ने न सिर्फ उद्योग को खत्म किया है, बल्कि हर पक्ष से पंजाब का विनाश किया है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि केंद्र की भाजपा सरकार पंजाब को देश का हिस्सा नहीं मान रही। पंजाब सरकार के ग्रामीण विकास फंड को रोकने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना करते हुये स. बिंद्रा ने कहा कि इससे गाँवों का विकास रुक जायेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र को अपने अड़ियल रवैये को त्याग कर किसानों के साथ बिना शर्त बातचीत करनी चाहिए और बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं शामिल हों। उन्होंने कहा कि अगर किसानों की लहर लम्बे समय तक चलती रही तो इस बार दीवाली सभी वर्गों के लिए घाटे वाली होगी।

चार और सरकारी स्कूलों के नाम भी शहीद फौजी जवानों के नाम पर रखे- शिक्षा मंत्री विजय इंदर सिंगला

• चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार ने जलियांवाला बाग़ के संहार का बदला लेने वाले महान क्रांतिकारी और प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शहीद ऊधम सिंह सुनाम को सत्कार भेंट करते हुये सुनाम ऊधम सिंह वाला शहर के दो सरकारी स्कूलों का नाम बदल कर उनके नाम पर रखने का फैसला किया है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये स्कूल शिक्षा मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला ने बताया कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व अधीन पंजाब सरकार देश के स्वतंत्रता संघर्ष में अपनी जानें गवाने वाले महान क्रांतिकारियों की सदा ऋणी रहेगी और उनका बनता मान-सत्कार कायम रखने के लिए हमेशा वचनबद्ध है। इसी लड़ी के अंतर्गत राज्य सरकार ने शहीद ऊधम सिंह सुनाम को श्रद्धा भेंट करते हुये ज़िला संगरूर के दो सरकारी स्कूलों का नाम बदल कर शहीद के नाम पर रखा है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब से सुनाम ऊधम सिंह वाला शहर के सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल (लड़के) और सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल (लड़कियां) को क्रमवार शहीद ऊधम सिंह सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल (लड़के) और शहीद ऊधम सिंह सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल (लड़कियों) के तौर पर जाना जायेगा। मंत्री ने आगे कहा कि गदर पार्टी के अग्रणी क्रांतिकारी, जिन्होंने 13 मार्च, 1940 को लंदन में पूर्व लैफ्टिनैंट गवर्नर माइकल ओ' डवाययर का कत्ल करके जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लिया, की यादों और अन्य सम्बन्धित साजो-सामान सँभालने के लिए सुनाम ऊधम सिंह वाला में एक यादगार भी स्थापित की जा रही है।

स्पोर्ट्स प्लैनट

धोनी इस साल की तरह बिना मैच अभ्यास के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने का फैसला करते हैं तो उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना असंभव होगा। -महेन्द्र सिंह धोनी

न्यूजीलैंड में सब नॉर्मल : रग्बी : 34 हजार की क्षमता वाले स्टेडियम में 30 हजार फैंस पहुंचे

• ऑकलैंड/ब्यूरो

पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही है। लेकिन न्यूजीलैंड कोरोना से मुक्त हो चुका है। वहां खेल की तो वापसी हो चुकी है, फैंस भी स्टेडियम में लौट आए हैं।

हाल ही में देश के सबसे पसंदीदा खेल रग्बी का मुकाबला देखने के लिए करीब 30 हजार फैंस स्टेडियम पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह फ्रेंडली मुकाबला 16-16 से ड्रॉ रहा था। ऑकलैंड के इस स्टेडियम की क्षमता 34 हजार है।

50 लाख की आबादी वाले न्यूजीलैंड में सिर्फ 25 मौतें हुई हैं। वहां, आखिरी घरेलू एक्टिव केस 25 सितंबर को मिला था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एक अन्य मुकाबले में न्यूजीलैंड ने मेजबान को 43-5 से हराया।

सिर्फ IPL में खेलने से धोनी नहीं कर पाएंगे अच्छा प्रदर्शन, जानें कपिल देव ने ऐसा क्यों कहा

• नई दिल्ली/ब्यूरो

टीम इंडिया को पहला वर्ल्ड कप खिताब दिलाने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि धोनी इस साल की तरह बिना मैच अभ्यास के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने का फैसला करते हैं तो उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना असंभव होगा। पिछले साल जून में वर्ल्ड कप खेलने वाले धोनी करीब एक साल बाद मैदान पर उतरे थे। 39 वर्षीय धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपरकिंग्स पहली बार आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही।

मुलाजिम एकता संगठन व भगवान वाल्मीकि वैल्फेयर कमेटी ने करवाया सत्संग समारोह

• जालंधर/रवि

भगवान वाल्मीकि जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में मुलाजिम एकता संगठन भगवान वाल्मीकि वेलफेयर कमेटी पंजाब की तरफ से जोन -7 नगर निगम इंडस्ट्री स्टेट नजदीकी एसबीआई बैंक विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह का आयोजन चीफ पैटर्न राजिंदर सभ्रवाल की अध्यक्षता में किया गया।

इस मौके पर राजू अनजान संगीत पार्टी ने भगवान वाल्मीकि जी के विचारों से सभी को अपनी ओर आकर्षित किया जिसके बाद विशेष रूप से गायक मास्टर सलीम ने भगवान वाल्मीकि जी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भगवान वाल्मीकि जी के आनंदमई भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति के आनंद में नतमस्तक किया। इस अवसर पर मेयर जगदीश राजा, उमा महेश्वर, राजिंदर सभ्रवाल चीफ पैटर्न, सोनू प्रधान, दिनेश बाबा चेयरमैन, अनिल मट्टू वाईस चेयरमैन, मुकेश कुमार काका सीनियर उप प्रधान, चरणजीत सिंह जूनयिर इंजीनियर, सुनील कुमार एस.डी.ओ., बॉबी क्लर्क व अन्य कमेटी मैंबर मौजूद थे।

पीएपी चौक में 32 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे ओवरब्रिज और रैंप का होगा निर्माण: घनश्याम थोरी

डिप्टी कमिश्नर ने ट्रैफिक प्रबंधों और पीएपी जंकशन सुधार प्रोजैक्ट का लिया जायजा

• जालंधर/रवि

डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी ने कहा कि पीएपी चौक में ट्रैफिक समस्या को दूर करने के लिए 32 करोड़ रुपए की लागत से मेगा प्रोजैक्ट की शुरूआत की गई है, जो अगले वर्ष जून के अन्त तक पुर्ण हो जायेगा। डिप्टी कमिश्नर ने पीएपी चौक में विकास कार्यों का जायजा लेते कहा कि शहर निवासियों द्वारा माँग की जा रही थी कि उनको पीएपी फ्लाईओवर तक पहुँच मुहैया करवाई जाये जिससे उनको अमृतसर की तरफ जाने के लिए रामा मंडी चौक से निकलने की जरूरत ना पड़े।

थोरी ने बताया कि पीएपी रेलवे क्रॉसिंग में एक नया रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाने के लिए 32 करोड़ रुपए लागत वाले प्रोजैक्ट की शुरूआत की गई है। इस के अतिरिक्त शहर निवासियों को नये आरओबी तक पहुँचने के लिए एक नया रैंप भी बनाया जायेगा।

उन्होने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पुर्ण होने से शहर की ट्रैफिक को रामा मंडी चौक नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि नये बने इस रैंप का प्रयोग करके सीधे आरओबी तक पहुँचा जा सकेगा और अमृतसर रोड से आने वाली ट्रैफिक के लिए भी इसी तरह के रैंप का निर्माण की जायेगी।

नेशनल हाईवे अथारटी आफ इंडिया (एनएचएआई) के प्रोजैक्ट डायरैक्टर यशपाल सिंह ने डिप्टी कमिश्नर को बताया कि प्रोजेक्टों की रूप रेखा अन्तिम पड़ाव में है, जिससे सम्बन्धित दिसंबर तक टैंडर दिये जाने हैं और वर्क आर्डर जारी होने के बाद 6 महीनों में काम पुर्ण कर दिया जायेगा। प्रोजैक्ट डायरैक्टर ने आगे बताया कि जून 2021 के अंत तक पूरा प्रोजैक्ट पुर्ण हो जायेगा।

डिप्टी कमिश्नर ने आगे कहा कि पीएपी चौक में ट्रैफिक जंकशन को सुधारने के लिए एक अन्य प्रोजैक्ट चल रहा है, जिस पर तकरीबन 7 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। थोरी ने कहा कि पीएपी चौक में ट्रैफिक के परवाह को सुचारू और निर्विघ्न बनाने, सड़क हादसों को कम करने और सुन्दरीकरन के कार्यों के अतिरिक्त गोल चौक का निर्माण किया जा रहा है। उन्होने कहा कि चौक में अलग -अलग किस्मों के वृक्ष और पौधे लगाए जा रहे हैं, जोकि इस चौक को मनमोहक दृश्य प्रदान करेंगे। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि चौक के नीचे एक मॉड्यूलर रेन वाटर सिस्टम विकसित किया गया है, जोकि पंजाब में अपनी तरह का पहला सिस्टम होगा, जो आस - पास के क्षेत्रों के बारिश के पानी को रिचार्ज करेगा। इस अवसर पर एसडीएम राहुल सिंधु, एसडीएम जयइन्दर सिंह, सहायक कमिश्नर हरदीप सिंह और अन्य उपस्थित थे।

शामलात के गलत इंतकाल के दोषों के तहत विजीलैंस की तरफ से नायब तहसीलदार, पटवारी, नंबरदार और प्रोपर्टी डीलर गिरफ्तार

अदालत की तरफ से विजीलैंस को और जांच के लिए सात दिनों का पुलिस रिमांड

• चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने गाँव सूंक, तहसील माजरी, ज़िला एस.ए.एस. नगर में शमलात ज़मीन के हिस्सों के विभाजन सम्बन्धी घपलेबाज़ी करने के दोषों के तहत 8दोषियों के ख़िलाफ़ मुकदमा दर्ज करके एक नायब तहसीलदार, पटवारी और प्रोपर्टी डीलर शाम लाल गुज्जर और गुरनाम सिंह नंबरदार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इन गिरफ्तार दोषियों को आज मोहाली की विशेष अदालत में पेश किया गया जहाँ अदालत की तरफ से दोषियों का 7 दिन का पुलिस रिमांड दे दिया गया है।

इस संबंधी जानकारी देते हुये पंजाब विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह मुकदमा और दोषियों की गिरफ़्तारी एफ.आई.आर. नंबर 13 तारीख़ 02 -11 -2020 अ /ध 409, 420, 465, 466, 467, 471, 120-बी आई.पी.सी. और 7, 7(ए) भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत विजीलैंस इन्नकुआरी की पड़ताल के उपरांत की गई है।

और विवरण देते हुये उन्होंने बताया कि उक्त केस की जांच के दौरान दस्तावेज़ों से पाया गया है कि गाँव सूंक की शामलात संबंधी ए.डी.सी. (विकास) की तरफ से तारीख 01-07 -2016के फ़ैसले

अनुसार उस वक्त के नायब तहसीलदार माजरी वरिन्दरपाल सिंह धुत, काननूगो रघवीर सिंह और पटवारी इकबाल सिंह की तरफ से शाम लाल प्रोपर्टी डीलर, गुरनाम सिंह नंबरदार और ओर प्रोपर्टी डीलरों आदि के साथ मिल कर ज़मीन के हिस्सों के विभाजन सम्बन्धी इंतकाल दर्ज किये गए परन्तु इंतकाल करते समय इन व्यक्तियों की तरफ से 1295 एकड़ ज़मीन के विभाजन में से गाँव सूंक के 24 हिस्सेदार, जिनमें बलजीत कौर पत्नी किशन सिंह, नसीब सिंह पुत्र गंगा सिंह, बंता सिंह पुत्र चन्नण सिंह, उजागर सिंह पुत्र ठाकुर सिंह आदि के तकरीबन 117 एकड़ ज़मीन के हिस्से कम कर दिए गए जबकि कई ऐसे हिस्सेदार भी जोड़ दिए जो इस गाँव के निवासी ही नहीं हैं इनमें राम कृष्ण पुत्र छित्तरू राम, कुलविन्दर सिंह पुत्र हज़ारा सिंह शामिल हैं जिनके हिस्से अधिक पाये गए हैं।

इस तरह ज़मीन के हिस्सों को बढ़ाने -घटाने के कारण 99 एकड़ 4 कनाल 14.32 मरले का फर्क होना पाया गया है और कई ऐसे हिस्सेदार हैं, जो इस गाँव के निवासी ही नहीं हैं और विजीलैंस पड़ताल के दौरान यह व्यक्ति ट्रेस भी नहीं हुए।

इस इंतकाल के बाद नायब तहसीलदार वरिन्दरपाल सिंह धुत, काननूगो रघवीर सिंह और पटवारी इकबाल सिंह की तरफ से प्रोपर्टी डीलर शाम लाल गुज्जर, तरसेम लाल, बलबीर सिंह, जसविन्दर सिंह, गुरप्रीत सिंह, मनबीर सिंह, काबल सिंह और गुरनाम सिंह नंबरदार के साथ मिल कर यह ज़मीन मुखतैयारनामों के के द्वारा आगे आनंद खोसला, निशान सिंह आदि व्यक्तियों को करोड़ों रुपए में बेच दी गई। उपरोक्त मुकदमे में दोषियों में से नायब तहसीलदार वरिन्दरपाल सिंह धुत, पटवारी इकबाल सिंह, प्रोपर्टी डीलर शाम लाल गुज्जर और गुरनाम सिंह नंबरदार को गिरफ़्तार कर लिया गया है और अगली जांच जारी है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.